

‘मैं कांग्रेस का राज्यसभा का उम्मीदवार हूँ, कल पर्चा भर रहा हूँ, आप आ जाएं’

करमवीर बौद ने यह फोन भूपेन्द्र हूडा, सुरजेवाला, शैलजा आदि को किया, सभी नेता स्तब्ध रह गये

–रेणु मित्तल–
–राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो–
नई दिल्ली, 6 मार्च। कांग्रेस राज्यसभा टिकट देने के लिए कैसे प्रत्याशी चुनती है, यह उसकी संपूर्ण गाथा है।

जादू से टोपी से खरगोश निकालने की तरह कांग्रेस ने आखिरी समय में हरियाणा का अपना एकमात्र राज्यसभा टिकट एक अनजान व्यक्ति को दे दिया, जिसका नाम करमवीर बौद है, जो एक दलित है और कांग्रेस में उन्हें कोई नहीं जानता। उनके पास कोई संगठनात्मक अनुभव नहीं है, न ही उनका युवा कांग्रेस, एनएसयूआई या किसी अन्य पद से कोई संबंध है और वे हाल ही में पार्टी में शामिल हुए हैं।

हरियाणा के कांग्रेसी एक-दूसरे को संदेश भेज रहे हैं और पूछ रहे हैं कि वे आखिर कैसे दिखते हैं!!

दिलचस्प बात यह है कि वे हरियाणा सरकार के कर्मचारी थे, जो

■ राहुल गांधी, करमवीर बौद, एक अपरिचित से पूर्व बसपा नेता का चयन कर, बहुत प्रसन्न हैं, क्योंकि उन्हें अपना एक दलित मिल गया, जो उनके दलित एजेंडे पर “फिट” बैठता है।

■ बौद हरियाणा कांग्रेस के हल्कों में एक अपरिचित प्राणी हैं, जो कभी भी युथ कांग्रेस, एनएसयूआई या, अन्य किसी संगठनात्मक पद पर नहीं रहे, और हाल ही में कांग्रेस से जुड़े हैं।

■ वे एक सरकारी कर्मचारी थे, तथा भ्रष्टाचार के आरोप में निलम्बित थे तथा फिर नौकरी से रिटायर होकर बसपा से जुड़े। तदोपरान्त कांग्रेस पार्टी में आए, पूर्व आईएस अधिकारी के. राजू के संरक्षण में।

■ हरदम की तरह राहुल गांधी ने दलित मामले के. राजू को सौंप रखे हैं तथा के. राजू ही दलित मामलों में पार्टी के सभी निर्णय लेते हैं। के. राजू की तगड़ी सिफारिश से करमवीर बौद को कांग्रेस का टिकिट मिला, क्या राहुल, जयजगत और के.सी. वेणुगोपाल के बारे में बिहार के अपने अनुभव के बाद कुछ नहीं सीखे कि, एक दलित पूर्व आईएसएस अफसर के. राजू को दलित मामलों में सर्वसर्वा बना दिया है।

दलित संगठन से जुड़े हुए थे और कभी-कभी सरकार और संगठन के बीच बड़े विवादों में मध्यस्थ का काम करते थे।

उन्हें बाद में भ्रष्टाचार के आरोपों में चार साल के लिए निर्लंबित कर दिया गया था।

वे सेवानिवृत्त हुए और बहुजन समाज पार्टी में शामिल हो गए, उनके (शेष अंतिम पृष्ठ पर)

बिहार में एक अनजाने चेहरे को मुख्यमंत्री बना सकती है भाजपा

चर्चा है कि संघ पृष्ठभूमि वाली सीमा गुप्ता को मुख्यमंत्री बनाया जा सकता है

–श्रीनंद झा–
–राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो–
नई दिल्ली, 6 मार्च। ऐसी संभावनाएँ हैं कि भाजपा नेतृत्व बिहार में नीतीश कुमार के स्थान पर राज्य के मुख्यमंत्री के रूप में किसी कम पहचान वाली महिला नेता को नियुक्त कर सकता है, जैसा कि भजनलाल शर्मा के मामले में किया था।

अंतरराष्ट्रीय घटनाओं, जैसे इजराइल-ईरान युद्ध और एस्प्टीन फाइल्स में भाजपा के स्थान पर राज्य के मुख्तता के बीच, अंततः नीतीश कुमार को दरवाजा दिखा देने का निर्णय एक आश्चर्यचकित करने वाला कदम साबित हुआ है। लेकिन दो मुद्दे महत्वपूर्ण हैं। पहला, भाजपा शॉक ट्रीटमेंट देने की अपनी क्षमता पर फलती-फूलती आ रही है। दूसरा, बिहार में भाजपा का मुख्यमंत्री होना पार्टी के लिए पड़ोसी राज्य पश्चिम बंगाल के चुनावों में मददगार साबित होगा। इससे भी ज्यादा

■ इस कदम से भाजपा को कई लाभ होने की संभावना है, एक तो वह बिहार में नई शुरुआत का संकेत देना चाहती है। दूसरे पार्टी को उम्मीद है कि इससे पड़ौसी राज्य प.बंगाल, जहां विधानसभा चुनाव होने वाले हैं, में भारी फायदा होगा।

■ नीतीश कुमार को मुख्यमंत्री पद से हटाने के असंभव कार्य में सफल होने के बाद भी भाजपा कोई जल्दबाजी नहीं करना चाहती है। मुख्यमंत्री भाजपा का ही होगा पर उपमुख्यमंत्री पद के लिए नीतीश कुमार के पुत्र से पेशकश की गई है।

■ सुत्रों ने कहा, भाजपा जद (यू) में विभाजन की कोशिश भी नहीं करेगी क्योंकि नीतीश कुमार के प्रति भारी सहानुभूति है लोगों, खासकर महिलाओं में, इसलिए भाजपा कोई दुस्साहस नहीं करेगी और नीतीश के प्रति भारी सद्भावना दिखाएगी।

फायदा उस स्थिति में होगा, अगर भाजपा नेतृत्व इस काम के लिए किसी

कम पहचान वाली महिला नेता का (शेष अंतिम पृष्ठ पर)

उमेश सिंह कुशवाहा जदयू के बिहार प्रदेश अध्यक्ष बने

पटना, 06 मार्च। जनता दल यूनाइटेड (जदयू) के वरिष्ठ नेता उमेश सिंह कुशवाहा को लगातार तीसरी बार पार्टी का बिहार प्रदेश अध्यक्ष निर्वाचित किया गया है। शुरुवार को पटना स्थित जदयू के प्रदेश कार्यालय में संगठनात्मक चुनाव की निर्धारित

■ वे लगातार तीसरी बार अध्यक्ष निर्वाचित हुए।

प्रक्रिया पूरी होने के बाद उन्हें निर्विरोध अध्यक्ष घोषित किया गया। प्रदेश निर्वाचन पदाधिकारी अशोक कुमार ‘मुन्ना’ और परमहंस कुमार ने उन्हें अध्यक्ष पद का प्रमाण-पत्र सौंपा। इससे पहले उमेश सिंह कुशवाहा ने चार सैट में अपना नामांकन पत्र दाखिल किया था। तय समय-सीमा तक इस पद के लिए उनके अलावा किसी अन्य नेता ने नामांकन नहीं किया। इसके बाद स्कूटनी प्रक्रिया पूरी होने पर उन्हें निर्विरोध बिहार प्रदेश अध्यक्ष घोषित कर दिया गया।

‘अमेरिका ने दया की, भारत को रुस से कच्चा तेल लेने की अनुमति दी’

अमेरिका के ट्रैज़री सैक्रेटरी ने कहा कि भारत को यह काम चलाऊ छूट सिर्फ 30 दिनों के लिए दी गई है।

– डॉ. सतीश मिश्रा –
– राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो –

नई दिल्ली, 06 मार्च। दया भाव दशाति हुए अमेरिकी राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप के प्रशासन ने भारत को “अस्थायी” रूप से रुस से कच्चा तेल खरीदने की अनुमति दे दी है, और इस पर कोई दंडात्मक शुल्क नहीं लिया जाएगा और भारतीय सरकार ने इस प्रस्ताव को तुरंत स्वीकार करते हुए रिफाइनरियों को रसोई गैस की कमी से बचने के लिए एलपीजी उत्पादन बढ़ाने का आदेश दिया, क्योंकि मध्य पूर्व युद्ध के कारण एलपीजी की भारी कमी हो सकती थी। कतर से, जो भारत का प्रमुख एलपीजी आपूर्तिकर्ता है, चिंताजनक रिपोर्ट मिलने के बाद मोदी सरकार ने अमेरिकी राहत का तुरंत उपयोग किया, ताकि घरेलू रसोई गैस की आपूर्ति में आने वाले संकट को टाला जा सके। “द फाइनेशियल टाइम्स” से एक

■ स्कॉट बेसेंट ने कहा कि भारत इस अवधि में रुस से वही तेल खरीद पाएगा जो पहले से समुद्र में विचरण कर रहे टैंकरों में जमा है और इससे रुस को कोई फायदा नहीं होगा। लेकिन इससे ईरान युद्ध से बड़े दबाव से भारत को कुछ राहत मिलेगी। तथापि, भारत को इसके लिए मौजूदा रेट पर ही कीमत अदा करनी होगी।

■ इस अनुमति के साथ ही भारत ने तेल मंगाने की प्रक्रिया शुरू कर दी। दो टैंकर भारत की ओर निकल चुके हैं इनमें से हरेक में 7 लाख बैरल तेल है, चर्चा है कि तीसरा टैंकर भी भारत की ओर बढ़ रहा है।

■ इस समय रुस का 9.5 लाख मिलियन बैरल कच्चा तेल समुद्री टैंकरों में जमा है और भारत के आसपास ही मंडरा रहा है।

■ भारत सरकार ने भारतीय तेल कंपनियों को रसोई गैस का उत्पादन बढ़ाने के निर्देश भी दिए हैं।

साक्षात्कार में, कतर के ऊर्जा मंत्री साद अल काबी ने कहा कि युद्ध के कारण खाड़ी देशों में ऊर्जा उत्पादन बंद हो सकता है, तेल की कीमत 150 प्रति बैरल तक पहुंच सकती है और “दुनिया

की अर्थव्यवस्थाओं को नीचे ला सकता है”।

कतर, जो दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा लिक्विड नैचुरल गैस (एलएनजी) उत्पादक है, इस सप्ताह अपने रास

लाफन संयंत्र पर एक ईरानी ड्रोन हमले के बाद उत्पादन रोकने पर मजबूर हो गया, जो कि इसका सबसे बड़ा एल पी जी संयंत्र है। (शेष अंतिम पृष्ठ पर)

प्रधानमंत्री ने सिविल सेवा के सफल अभ्यर्थियों को बधाई दी

नई दिल्ली, 06 मार्च। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शुरुवार को सिविल सेवा परीक्षा 2025 में सफल होने वाले सभी अभ्यर्थियों को बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की है। प्रधानमंत्री मोदी ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर अपने संदेश में कहा,

■ उन्होंने कहा कि अभ्यर्थियों को उनकी समर्पण भावना, दृढ़ता व कड़ी मेहनत ने इस उपलब्धि तक पहुंचाया है।

सिविल सेवा परीक्षा 2025 में सफल होने वाले सभी अभ्यर्थियों को बधाई। उनकी समर्पण भावना, दृढ़ता और कड़ी मेहनत ने उन्हें इस महत्वपूर्ण उपलब्धि तक पहुंचाया है। प्रधानमंत्री ने एक अन्य पोस्ट में उन अभ्यर्थियों का भी हौसला (शेष अंतिम पृष्ठ पर)